

पा० ७
पाठ

ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି
ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି

ଗୁରୁମା : ପିଲାମାନେ, ତୁମୋମାନେ
କେହି 'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି'
ପାହାଡ଼ ଦେଖିଛୁ ?

ପିଲାମାନେ : ନାହିଁ ଗୁରୁମା, ଆମେ
ଦେଖିନୁ । ସେଠାରେ
ଦେଖିବାକୁ କ'ଣ କ'ଣ ଅଛି
?

ଗୁରୁମା : ବହୁତ କିଛି ଦେଖିବାକୁ
ଅଛି ଲେଖା ! ତୁମେ ତ
ଭୂବନେଶ୍ୱର ଯାଇଛୁ ।
'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି' ପାହାଡ଼
କ'ଣ ଦେଖିନ ?

ଲେଖା : ହଁ ଗୁରୁମା, ମୁଁ
ଦେଖିଛୁ । ଭୂବନେଶ୍ୱରରେ ହଁ
'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି' ପାହାଡ଼
ଅଛି ।

ଲିତା : ଗୁରୁମା, ମୁଁ 'ଖଣ୍ଡଗିରି-
ଉଦୟଗିରି' ଗୁପ୍ତା ବିଷୟରେ

ଅଧ୍ୟାପିକା : ବଚ୍ଚେ, ତୁମଲୋଗାଙ୍କ ମେଂ ସେ କିସି ନେ
'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି' ପହାଡ଼
ଦେଖା ହୈ ?

ବଚ୍ଚେ : ନହିଁ ଦୀଦି, ହମନେ ନହିଁ ଦେଖା ହୈ ।
ଦେଖନେ କେ ଲିଏ ବହାଁ କ୍ୟା-କ୍ୟା ହୁଁ ?

ଅଧ୍ୟାପିକା : ଦେଖନେ କେ ଲିଏ ବହତ ହୁଁ ।
ଲେଖା ! ତୁମ ତୋ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଗର୍ଭ
ହୋ । କ୍ୟା 'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି'
ପହାଡ଼ ନହିଁ ଦେଖା ?

ଲେଖା : ହଁ ଦୀଦି, ମେଂନେ ଦେଖା ହୈ । ଭୁବନେଶ୍ୱର
ମେଂ ହି 'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି'
ପହାଡ଼ ହୈ ।

ଲିତା : ଦୀଦି, ମେଂନେ 'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି'
ଗୁଫାଓଙ୍କ କେ ବାରେ ମେଂ ପଡ଼ା ହୈ ।

ଅଧ୍ୟାପିକା : ଅଚ୍ଛା ଲିତା, କହୋ ତୋ, ତୁମନେ
ଇସକେ ବାରେ ମେଂ କ୍ୟା କ୍ୟା ପଡ଼ା ହୈ ?
କିସ ରାଜା ନେ ଇନ ଗୁଫାଓଙ୍କ କା

	पढ़ित्तु ।	निर्माण किया है ?
गूरुमा	: आज्ञा लिता, कहिल, तुमें ए बिषयूरे क'श सबू पढ़ित्तु? केउँ राजा एउ गृष्मा सबू निर्माण करिछुन्ति ?	लिता : राजा 'खारबेल' के समय में इस गुफा का निर्माण हुआ है ।
लिता	: राजा 'शारबेल' क्षे समयूरे एहि गृष्मार निर्माण होइथ्रु ।	अध्यापिका : लेखा, तुमने वहाँ और क्या- क्या देखा है ?
गूरुमा	: लेखा, तुमें आउ क'श घेठि देखित्तु ?	लेखा : मैंने वहाँ रानी गुफा और हाथी गुफा को देखा है । ये सब राजा 'खारबेल' के अनुशासन के समय में ही हुआ है ।
लेखा	: मूँ घेठारे राणी गृष्मा ओ हाती गृष्मा देखित्तु । एउ सबू राजा 'शारबेल'क्षे अनुशासन समयूरे ही होइत्तु ।	अध्यापिका : वहाँ एक नाट्य मंच है । क्या तुमने (उसे) देखा है ?
गूरुमा	: घेठि गोठाए नाट्य मञ्च अहि । तुमें क'श देखित्तु ?	लेखा : नहीं दीदी, मैंने नाट्य मंच नहीं देखा है ।
लेखा	: नाइँ गूरुमा, मूँ नाट्य मञ्च देखि नाहि ।	अध्यापिका : तब उस नाट्यमंच में नाटक हो रहा था ।
गूरुमा	: घेठेबेले घेहि नाट्य मञ्चरे नाटक होउथिला ।	लिता : अच्छा दीदी, क्या वहाँ अब नाटक हो रहा है ?
लिता	: आज्ञा गूरुमा, एवे क'श घेठि नाटक होउत्ति ?	अध्यापिका : हाँ, अब भी ओडिशा की संस्कृति विभाग वहाँ नाटक कर रहा है । मैंने एक बार वहाँ 'ऐर खारबेल' नाटक देखा है ?
		लिता : दीदी, वहाँ बहुत बंदर हैं न ?

गूरुमा : हुँ, एवे मध्ये ओଡ
शार संस्कृति बिभाग देति
नाटक करुन्नन्ति । मुँ थरे
देति 'ऐर शारबेल'
नाटक देखिन्नि ।

लिता : गूरुमा, देति कुआठे
बहुत माङड़ अचुन्ति ?

लेखा : हुँ लिता, मुँ देति
बहुत बड़ बड़ बड़ माङड़
देखिन्नि । मुँ येमानज्जु
कदली ओ चिना बादाम
शाइबाकु देइन्नि ।

गूरुमा : लेखा, तुमे आउ क'श
सरु
देखिन्नि ?

लेखा : देति महाबीर
जेनकर बड़ मूर्छि मुँ
देखिन्नि । ता' परे
बारछुजा दुर्गाज्जु मध्ये मुँ
पूजा करिन्नि ।

गूरुमा : तुमे बहुत उल काम
करिन्नि ।

लेखा : हाँ लिता, मैंने वहाँ बहुत बड़े
बड़े बंदर देखे हैं । मैंने उनको
केले और मृगफली खाने को
दिए ।

अध्यापिका : लेखा, तुमने और क्या-क्या
देखा है ?

लेखा : वहाँ मैंने महावीर जैन की बड़ी
मूर्ति देखी है । और बाद मैं बारह
भुजाओं वाली दुर्गा की भी मैंने
पूजा की ।

अध्यापिका : तुमने बहुत अच्छा काम किया
है ।

शब्दार्थ

ओडिआ शब्द	हिंदी अर्थ
गूरुमा	अध्यापिका
गुप्ता	गुप्ता

ગોદન	હુડાઈ
અનુશાસન	આદેશ / અનુશાસન
નાટ્ય માંથ	રંગમંચ
સંસ્કૃતિ બિભાગ	સંસ્કૃતિ વિભાગ
કલા	કેલા
ચિનાબાદામ	મુંગફળી
પૂજા કરિબા	પૂજા કરના

અભ્યાસ

I. નીचે દિએ ગાય વાક્ય દોહરાઇએ।

- 1) તુમેમાને કેહુ ખણુંઘિરિ-ઉદયંઘિરિ પાહાડુ દેખિછુ ?
- 2) નાલું ગુરુમા, આમે દેખિનું ।
- 3) ખણુંઘિરિ-ઉદયંઘિરિ પાહાડુ ક'ણ દેખિનાહું ?
- 4) તુમે એ બિષયુરે ક'ણ એકુ પઢિછુ ?
- 5) મું રાણી ગુપ્તા ઓ હુાઠી ગુપ્તા યોઠારે દેખિછુ ।
- 6) બારભૂજા દુર્ગાઙ્કુ મધ્ય મું પૂજા કરિછુ ।
- 7) ખણુંઘિરિરે દેખિબાકુ ક'ણ ક'ણ અહુ ?
- 8) બહૂં કિછુ દેખિબાકુ અહુ ।

II. નીચે દિએ ગાય વાક્યો મેં રેખાંકિત શબ્દોં કે સ્થાન પર દિએ ગાય શબ્દોં કા પ્રયોગ કર વાક્ય બનાઇએ।

- 1) મું ખણુંઘિરિ-ઉદયંઘિરિ ગુપ્તા બિષયુરે પઢિછુ । 2) મું નાટ્ય માંથ દેખિનાહું ।

ઢાજમહૂલ	ଓଡિશા નૃત્ય
આદિબાધી સંસ્કૃતિ	ભારત નાટ્યમ्
શ્રીરામ મ્રિઝા	કથકલી
ଓଡિશાર દેଉલ	ભાજાઢા

धूल1 गिरिस्थुप

कुठिपूढ़ि नाच

3)	दुमेमाने केहि <u>शशुगिरि-उदयुगिरि</u> पाहाढ़ देखिछु ?	न1लगिरि	4) ए विषयूरे क'ण सबु <u>पढ़िछु</u> ?	शुणिछु
		धूलि		करिछु
		चर्किरि		कहिछु
		लकित गिरि		लेखिछु
		नदनकानन		देखिछु
5)	दुमे भुवनेश्वर <u>याइছु</u> ।	6) केउँ <u>राजा</u> एउ <u>गुप्ता</u> सबु <u>शोदन</u>		
	दु	करिछुन्ति?		
	याइছु		कवि	वहि
	दुमेमाने	लेखिछुन्ति		
	याइছु		शिक्षक	पाठ
	आपशमाने	संशोधन		
	याइছुन्ति			
मुँ		करिछुन्ति		
	याइছु		शिल्पी	मन्त्रिर
आमे		निर्माण		
	याइছु			
ऐ		करिछुन्ति		
	याइছु		चित्रकर	छवि
ऐमाने		आङ्किछुन्ति		
	याइছुन्ति		मन्त्री	ठाष्ट्रण
		देइछुन्ति		

III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों के निषेध रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. उदाहरण : नाईं गुरुमा, आमे (देखिबा)।
नाईं गुरुमा, आमे देखिनू।

- 1) नाईं बापा, आमे (करिबा)।
- 2) नाईं अपा, आमे (उज्जिबा)।
- 3) नाईं बोअ, आमे (खालबा)।
- 4) नाईं भाई, आमे (नेबा)।
- 5) नाईं आज्ञा, आमे (जाणिबा)।

2. उदाहरण : मूँ येठारे माझडे देखित्रि। (बडे बडे, बहुत)
मूँ येठारे बहुत बडे बडे माझडे देखित्रि।

- 1) मूँ येठारे पिला देखित्रि। (छोट छोट, शुभ)
- 2) मूँ येठारे चकुलि शाकत्रि। (सरू सरू, अठि)
- 3) मूँ येठारे पक्षी देखित्रि। (युद्धर युद्धर, भारि)
- 4) मूँ येठारे पथर देखित्रि। (विराट विराट, शुभ)
- 5) मूँ येठारे बहुत पढित्रि। (मोठा मोठा, अठि)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त क्रिया शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

- 1) तुमे ए विषयूरे क'श _____ ? (पढ़ित्रि, पढ़ित्रुन्ति)
- 2) केउँ राजा गुप्ता सरु _____ ? (निर्माण करित्रुन्ति, निर्माण करेत्रुन्ति)
- 3) तुमे क'श सरु _____ ? (देखित्रुन्ति, देखित्रि)
- 4) मूँ 'र्होर शरबेल' नाटक _____। (देखित्रि, देखित्रि)
- 5) मूँ नाट्य मञ्चरे नाटक _____। (करित्रि, करित्रि)

V. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

- 1) मूँ द्वाता गुप्ता _____ याउत्रि। (देख)
- 2) तुमे आउ क'श येठि _____? (देख)
- 3) गठ कालि मूँ कचक _____। (याँ)
- 4) आसन्ता घोमबार दिन आपश रेहिओरे गठ _____। (शृण)

5) बेलेबेले आमे एनेमा ____। (देख्)

VI. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य-युग्मों को जोड़कर नये नये वाक्य बनाइए।

- उदाहरण :** मूँ घेमानझुँ कदल1 खाइबाकु देइछु।
 मूँ घेमानझुँ चिनाबादाम खाइबाकु देइछु।
 मूँ घेमानझुँ कदल1 ओ चिनाबादाम खाइबाकु देइछु।
1. ऐ मठे कागज लेखिबाकु देइछु।
 ऐ मठे कलम लेखिबाकु देइछु।
 2. मा' तूमकु भाट खाइबाकु देइछुन्ति।
 मा' तूमकु उरकार1 खाइबाकु देइछुन्ति।
 3. घेमाने खण्डिरि-देखिबाकु याइछुन्ति।
 घेमाने धूलिरि देखिबाकु याइछुन्ति।
 4. तु ताङ्कु गप पढ़िबाकु कहिछु।
 तु ताङ्कु किंता पढ़िबाकु कहिछु।
 5. माधव1 उठे चूड़ि पिन्धिबाकु देइछु।
 माधव1 उठे हार पिन्धिबाकु देइछु।

VII. कोष्ठक में दिए गए निदेशों के अनुसार निम्न वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

1. आमे धूलि गिरि यिरु। (निषेधवाचक वाक्य में)
2. मूँ खण्डिरि-उदयूरिरि पाहाड़ देखिछु। (प्रश्नवाचक वाक्य में)
3. मूँ घेठि महार1र जैनझर मूर्छि देखिनाहैं। (सकारात्मक वाक्य में)
4. मो बापा मा' कालि पूरी शले। (अपूर्ण भूत काल के वाक्य में)
5. छुटि दिन मानझरे आमे गाँरे रहूथिलू। (अपूर्ण भविष्यत काल के वाक्य में)
6. मूँ ऊन्नाथझ "महाप्रसाद" खाइअछु। (अपूर्ण भविष्यत के निषेधवाचक वाक्य में)

VIII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी प्रयोगों के समानार्थक ओडिशा प्रयोगों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. मोते एकाले गोटिए कदल1 _____ मिलिला। (खाने के लिए)
2. शिक्षक ताङ्गु गोटिए बहि _____ पढ़िबाकु देले। (पढ़ने के लिए)
3. लठा ग1त _____ सूचनाउबन याउछ्चि। (गाने के लिए)
4. मूँ _____ बारबाटा ष्टाडियूम यिबि। (खेलने के लिए)
5. आमेमाने _____ नम जानन याउछू। (घूमने के लिए)

पढ़िए और समझिए

शामू दशमा1

सांब दशमी

आजि शामू दशमा। एहि दिन पूर्व्यक्षु पूजा किरायाए। शामू दशमा1 दिन मा' केते प्रकारर पिठापशा तिआरि करिछुन्ति। आमेमाने मध्य मा'ज्जु घाहाये करिछु। मा' मण्डु पिठारे छुना, नडिआ ओ गुड़ पूर देइ गढिछुन्ति। मूँ, आज ओ मा' मिशि बिभिन्न प्रकार पिठापशामान तिआरि करिछु। अपा ढालि जजा करिछु। ढाकु चिनि यिरारे बुढेकछु। बापा बजारकु याउछुन्ति। ये कहिछुन्ति मूँ बजाररु आसिला पर्यंक्त उमेमाने अपेक्षा करिब। बापा एकालू बिभिन्न प्रकार आलू, घारू, कआ कदल1, बालगण, कलारू, भेण्टि, बिलाति बालगण उत्पादि परिवा आणिछुन्ति। ता' परे मा' परिवा काटिछुन्ति ओ घाण्ट उक्कारा1 तिआरि करिछुन्ति। ता' एहित पिठापशा उत्पादि पूर्व्यक्ष पाखरे बाढिछुन्ति।

शब्दार्थ

ओडिआ शब्द	हिंदी अर्थ
शामू दशमा1	सांब दशमी (एक त्योहार का नाम)
पिठापशा	चावल तथा उड़द दाल से बना खाद्य
मण्डुपिठा	चावल, नारियल, उड़द दाल, शक्कर आदि से बना एक प्रकार का खाद्य
छुना	पनीर
नडिआ	नारियल
गुड़	गुड़
आरिषा पिठा	चावल, नारियल और गुड़ से बना खाद्य

काकरा पिठा	सुजी, नारियल तथा शक्कर से बना खाद्य
छालि गजा	मैदा, शक्कर तथा घी से बना एक खाद्य
चिनिद्विरा	चिनिसिरा (चीनी की चासनी)
बूढेछूँहि	डाला है ।
आलू	आलू
घारू	कचु
बाइगण	बैंगन
किणारू	कट्टू
लाउ	लौकी
ठेण्टि	भिंडि
परिबा	तरकारी
काटिछूँहि	काटी है
घाँटा उरकारा	सभी तरकारी मिश्रित सब्जी
उरि	बहुत
भोग	भोग / प्रसाद

अभ्यास

I. अनुच्छेद के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- 1) शामु दशमीरे काहाकु पूजा करिब ?
- 2) मा' कि पिठा करिछुन्ति ?
- 3) केउँ गजा चिनि द्विरारे बूढिछूँहि ?
- 4) बापा बजाररू कि कि परिबा आणिछुन्ति ।
- 5) किए परिबा काटिछुन्ति ?
- 6) मा' काहा पाखरे पिठापशा बाढिछुन्ति ?

II. दिए गए प्रत्येक शब्द समूह से अनुपयुक्त शब्द बताइए।

- 1) आलू, घारू, बाइगण, कदली, चिनि

- 2) मा', अपा, घूर्ष्य, बापा, आज
- 3) आरिषा, उरकारा, काकरा, उलिगजा, मणा
- 4) काटिछु, बाढ़िछु, राष्ट्रिछु, लाशिछु, चढ़िछु
- 5) छेना, नड़िआ, गुड़, चिनि, भेण्हि

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

आम ज्ञेजेबापाङ्कर कालि दूर्घटशा द्वेला। उक्कर गोड़ काटिला। उग्यबशत्ते आम घर साम्नारे हूँ गोटिए बड़ उक्कुरक्षाना थिला। आमे उक्कु येइ उक्कुरक्षानाकु नेइगलू।

उक्कुर उक्कर गोड़ परीक्षा कले। उपरे नर्वमाने पठि बाष्टिले। घरे क्षाइबा पाँच उक्कुर औषध देले। आम ज्ञेजेबापा किछु घमयू धरि उक्कुरक्षानारे बिश्वाम नेले। घम्याए परे आमे उक्कु धरि घरकु पेरिआयिलू।

IV. ओडिआ में अनुवाद कीजिए।

मैं बहुत बार कोलकत्ता गई हूँ। वहाँ मैंने विक्टोरिया महल और काली मंदिर, देखे हैं। कलकत्ते के थियेटरों में मैंने बंगला सिनेमाएँ भी देखी हैं। मुझे दिल्ली देखने की इरादा है। दिल्ली देखने के लिए मैं अपने मित्रों के साथ जाना चाहती हूँ। मेरी एक दिल्लीवाली सहेली है। वह मुझे अपने घर ले चलेगी। उन के घरवालों के साथ मैं दिल्ली देखने के लिए जाऊँगी। दिल्ली में मैं राजघाट, रेड फोर्ट, राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, उच्चतम न्यायालय, जंतर मंतर, आदि देखूँगी। दिल्ली से लौटने वक्त मैं आग्रा को भी जाऊँगी। वहाँ का ताजमहल चाँदनी की शाम में देखूँगी। हमारे ओडिआ के चिल्का जैसा सुंदर तटाक दिल्ली में नहीं है। फिर भी दिल्ली तथा आग्रा की मैं सैर ज़रुर करूँगी। मैं एक बार केरल भी गई हूँ। वहाँ की हरी भरी प्रकृति ने मुझे बहुत आकर्षित की है। केरल से लौटने के बाद मैंने एक ओडिआ पत्रिका में केरल के बारे में लिखी हूँ। उसी प्रकार दिल्ली तथा आग्रा के बारे में भी लिखना चाहती हूँ।

V. दीवाली के बारे में ओडिआ में एक छोट सा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।

1. १. मूँ घेठारे राणीगृष्णा-दृष्टिगृष्णा देखिछु । मैंने वहाँ रानीगृष्णा-हातीगृष्णा
मैं सेठारे राणीगृष्णा-हातीगृष्णा देखिछि । देखा है ।
2. मूँ नाट्य प्राञ्च देखिनाहै । मैंने नाट्यमंच नहीं देखा
है ।
मैं नाट्यमंच देखिनाहिं ।
3. छुमेमाने केहि ज्ञुनिरि-छुम्यनिरि तुमलोंगे में से किसीने खंडगिरि-उदयगिरि
पाहाड़ देखिछु ? उदयगिरि पहाड़ देखा है ?
तुमेमाने केहि खण्डगिरि-उदयगिरि
पाहाड़ देखिछ?

उपर्युक्त वाक्यों में पूर्ण वर्तमान कालिक क्रिया का प्रयोग हुआ है। वाक्य (1) सकारात्मक है। वाक्य (2) पूर्ण वर्तमान कालिक निषेधवाचक है और वाक्य (3) प्रश्नवाचक पूर्णकालिक वाक्य है। ओडिआ में मूलक्रिया के साथ -'छु' (-छ), -'छौ' (-छि), -'छू' (-छु), -'छुन्ति' (-छंति) सहायक क्रियाओं के व्यवहार करने से पूर्ण वर्तमान कालिक क्रिया के रूप बनते हैं। ऐसे प्रयोग हिंदी के 'देखा है', 'देखी है' जैसे प्रयोगों के समान हैं। पुरुष और वचन के साथ क्रिया का रूप भी बदलता है।

उत्तम पुरुष

एक वचन	मूँ देखिछु । मैं देखिछि ।	मैंने देखा है ।
बहु वचन	आमे/आमेमाने देखिछू । आमे / आमेमाने देखिछु । आमे/ आमेमाने देखिछु । आमे / आमेमाने देखिछु ।	हम ने / हम (लोगों) ने देखा है ।
		मध्यम पुरुष
एक वचन	तू देखिछु । तु देखिछु ।	तू ने देखा है ।
बहुवचन	छुमे / छुमेमाने देखिछू । देखा है । तुमे / तुमेमाने देखिछ ।	तुमने / तुम (लोगों) ने

ठूमे / ठूमेमाने देखिछु । तुमने/तुम (लोगों) ने देखा
है।
तुम्हे/ तुम्हेमाने देखिछ।
आपश देखिछुन्हि / आपशमाने देखिछुन्हि । आपने / आप (लोगों) ने देखा
है?
आपण देखिछति/ आपणमाने देखिछति।

अन्यपुरुष

एकवचन	ये देखिछु ।	उसने देखा है।
	से देखिछि ।	
बहुवचन	येमाने देखिछुन्हि ।	उन्होंने / उन (लोगों) ने देखा है।
	सेमाने देखिछति ।	

II. नीचे दिए गए वाक्यों के रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।

1. येठारे देखिबाकु क'श क'श अछु ?
सेठारे देखिबाकु क'ण क'ण अछि ?
2. मूँ येमानझु खाइबाकु कदली ओ चिनाबादाम देइछु ।
मुँ सेमानंकु खाइबाकु कदली ओ चिनाबादाम देइछि ।
3. मूँ लाइब्रेरीकु पढिबाकु याइछु ।
मुँ लाइब्रेरीकु पढिबाकु जाउछि ।
4. ये बुलिबाकु नम्ह कानन याइछुन्हि ।
से बुलिबाकु नदंनकानन जाइछति ।